राष्ट्रीय संगोष्ठी

विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में अध्यापक शिक्षा

National Seminar on
Teacher Education in the Perspective of Viksit Bharat

6th & 7th March, 2025

शिक्षापीठ

शिक्षाशास्त्र विभाग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

नैक द्वारा “A” ग्रेड प्रदत्त

बी- 4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - 110016

संगोष्ठी सन्दर्भ (About the Seminar)

राष्ट्रविकास एक व्यापक एवं बहुआयामी अवधारणा है जिसमें मानव विकास के साथ-साथ समाज, संस्कृति, पर्यावरण, कृषि, राजनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संचार, यातायात एवं आधारभूत संरचनाओं का विकास प्रमुख है। विकसित भारत @2047 देश के प्रत्येक नागरिक एवं भावी पीढ़ी के लिए उज्जवल भविष्य की संकल्पना है, जिसका लक्ष्य स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस संकल्पना को पूर्ण करने के लिए राजनीतिक स्थिरता के साथ सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी योजनाओं का सम्यक् क्रियान्वयन आवश्यक है जिसमें भारत के प्रत्येक नागरिक की भूमिका अहम है। अतः विकसित भारत योजना के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा और साझा दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत सरकार का यह संकल्प करोड़ों भारतीय युवाओं को उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराकर ही प्राप्त किया जा सकता है। इस सन्दर्भ में अध्यापक शिक्षा के विभिन्न आयामों के उन्नयन द्वारा विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। विद्यार्थियों, अध्यापकों, शिक्षाविदों को साथ मिलकर चिंतन करने, कार्य योजना तैयार करने तथा उसे पूर्ण करने के लिए तत्परता से आगे बढ़ना होगा, जिससे राष्ट्र की भावी पीढ़ियों को गर्व करने का अवसर प्राप्त हो सके। इसी भावना को आत्मसात करते हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। भारत को वैश्विक स्तर पर एक

विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से अध्यापक शिक्षा की प्रासंगिकता और इसके विभिन्न आयामों पर चर्चा हेतु यह संगोष्ठी एक मंच प्रदान करेगी तथा शैक्षिक परिवेश में अभिनव चिंतन के प्रसार तथा समझ को नई दिशा देगी।

संगोष्ठी का उद्देश्य (Focus of the Seminar)

1. विकसित भारत के निर्माण में अध्यापक शिक्षा की भूमिका पर चर्चा करना।
2. वैश्विक प्रतिस्पर्धा तथा भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षकों की भूमिका का विश्लेषण करना।
3. विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के अवदान को प्रकाशित करना।
4. अध्यापक शिक्षा की चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार-विमर्श करना।
5. उद्यमिता एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा अध्यापक शिक्षा को सशक्त बनाना।
6. व्यावसायिक आचार और क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करना।
7. शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अनुसंधान द्वारा शिक्षा में नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना।
8. शिक्षा एवं समाज में समावेशन के साथ सुस्थिर विकास को प्रोत्साहित करना।
9. शिक्षकों को प्रभावी नेतृत्व और प्रबन्धन की भूमिका के लिए तैयार करना।

उप-विषय (Sub-themes)

इस संगोष्ठी के लिये विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित उप-विषय निर्धारित किये गये हैं -

1. अध्यापक शिक्षा पाठयक्रम
   (Teacher Education Curriculum)
2. भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं संस्कृत शिक्षा
   (Indian Knowledge System and Sanskrit Education)
3. ICT, शिक्षणशास्त्र एवं मूल्यांकन
   (ICT, Pedagogy and Evaluation)
4. उद्यमिता एवं प्रौद्योगिकी
   (Entrepreneurship and Technology)
5. जीवन कौशल एवं समग्र विकास
   (Life Skills and Holistic Development)
6. व्यावसायिक क्षमता संवर्धन एवं आचार
   (Professional Capacity Building and Ethics)
7. नवाचार एवं अनुसंधान
   (Innovation and Research)
8. समावेशन एवं सुस्थिर विकास
   (Inclusion and Sustainable Development)
9. प्रबन्धन एवं नेतृत्व कौशल
   (Management and Leadership Skills)

संगोष्ठी कार्यक्रम (Seminar Programme)

संगोष्ठी कार्यक्रम कुल 8 सत्रों में सम्पन्न किया जायेगा जिसमें प्रथम सत्र उद्घाटन एवं अन्तिम सत्र समापन का होगा। इसके अतिरिक्त पैनल परिचर्चा एवं तकनीकी सत्र होंगे।

पत्र सम्बन्धित सूचना (Paper Related Information)

पत्र का टंकण अंग्रेजी के लिए Font- Times New Roman (font size- 12) और संस्कृत/हिन्दी के लिए यूनीकोड (font size- 12) का प्रयोग करें। लेख की शब्द-सीमा 2500-3000 शब्द निर्धारित की गई है। संगोष्ठी में आमन्त्रित पत्र-प्रस्तुतकर्ता प्रस्तुति हेतु स्वीकृत अपने शोध पत्रों की टंकित (हार्ड कॉपी) पत्र प्रस्तुतीकरण से पूर्व सत्र संयोजक को अनिवार्य रूप से प्रदान करें, जिससे लेखों को संगोष्ठी कार्यवृत्त के रूप में प्रकाशित किया जा सके। पंजीकृत प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

पंजीकरण (Registration)

राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुतकर्ता (पूर्ण शोध पत्र की सॉफ्ट कॉपी के साथ) एवं प्रतिभागी दिये गये लिंक पर https://forms.gle/GhxvrRTz46juL17z9 दिनाँक 23 फरवरी, 2025 तक पंजीकरण करें। स्वीकृत शोध पत्रों की सूचना दिनाँक 28.02.2025 तक ई-मेल के माध्यम से प्रदान की जायेगी।

नोटः- पंजीकरण निःशुल्क है। संगोष्ठी के दौरान दोपहर का भोजन एवं चाय प्रदान की जाएगी। **कोई टी.ए./डी.ए. देय नहीं होगा** परन्तु पूर्व सूचना पर उपलब्धतानुसार आवास की व्यवस्था की जा सकती है जिसका व्यय प्रतिभागियों द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा।

संरक्षक

प्रो. मुरली मनोहर पाठक

(कुलपति)

अध्यक्ष

प्रो. रचना वर्मा मोहन

(पीठाध्यक्ष)

संयोजक

प्रो. मीनाक्षी मिश्र

सह संयोजक

डा. सुरेन्द्र महतो

डा. जितेन्द्र कुमार

आयोजक

शिक्षापीठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी- 4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - 110016

संगोष्ठी से सम्बन्धित सूचनार्थ सम्पर्क सूत्रः

दूरभाष नं. :- 01146060687, 01146060636

मोबाइल नं. :- 9818803635 9891075219

9650040618, 9891777666

ईमेल :- edu_seminar@slbsrsv.ac.in